>

Title: Need to provide employment to the youth displaced while acquiring land by the Coal India Limited and to check unethical practices of the Central Coalfields Limited in the Hazaribag Parliamentary Constituency.

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): महोदय, आप और सारा सदन जानता है कि पूरे देश में कोयला उत्पादन का काम कोल इंडिया कम्पनी के माध्यम से किया जाता है। हमारे निर्वाचन क्षेत्र में सैन्ट्रल कोल फील्ड लिमिटिड एक सब्सिडरी कम्पनी है, जिसके माध्यम से कोयला उत्पादन और खनन का काम होता है। आप जानते हैं कि बड़े पैमाने पर कोयले की खानों को चलाने के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जाता है। कोल इंडिया की नीति रही है कि जिसकी जमीन जाती है उसे तुंत नौकरी नहीं देते हैं। एक परिवार में एक व्यक्ति को उस समय नौकरी दी जाती है जब सचमुच उसकी जमीन पर खनन का काम शुरु हो जाता है। वह जमीन से वंचित हो जाता है लेकिन फिर भी उसे नौकरी नहीं मिलती है। ऐसे लोगों को थोड़ी बहुत राहत देने के लिए सीसीएल ने एक तरीका अपनाया कि जिस क्षेत्र में कोयला खनन का काम होगा, वहां वह लोकल सेल करेगा। लोकल सेल का मतलब है कि वहां कोयले का डम्प होगा, रांची मुख्यालय सीसीएल से डीओ, डिलीवरी ऑर्डर इश्यू होता है, लोग डम्प पर आते हैं और कोयला उठाते हैं। इस तरह से थोड़ी बहुत राहत विस्थापितों को मिलती है।

अभी हाल में मेरे यहां घटना घटी कि एक खास इलाके के बहुत सारे विस्थापितों ने, जिन्हें कोई राहत नहीं मिली, न नौकरी मिली और न ही लोकल सेल में भागीदारी मिली, एजिटेशन किया। मैं भी एजिटेशन में शामिल हुआ। हमारे खिलाफ कोल इंडिया, सीसीएल प्रबंधन ने एफआईआर कर दी। उन्होंने थाने में जाकर सरकारी काम में रुकावट पैदा करने के लिए मेरे खिलाफ एफआईआर कर दी। जैसे ही मुझे सूचना मिली, मैं दूसरे दिन मैं उन सब अभियुक्तों को, जो एफआईआर में नामजद थे, लेकर थाने पहुंचा और कहा कि मेरे खिलाफ एफआईआर हुआ है, धारा लगाई गई है, मुझे गिरफ्तार कर लो और जहां भेजना है भेज दो नहीं तो इस मामले को यहीं खत्म करो।

सभापति महोदय, आप जानते हैं कि जब चुनाव आता है तो पता नहीं कब का केस लगा होता है, बेल हुआ या नहीं हुआ, आपको कोई सूचना नहीं होती है लेकिन जब नामिनेशन दाखिल करने जाते हैं तो पकड़कर जेल में डाल दिया जाता है कि आपके ऊपर केस है। मैं चाहता था कि इस तरह की परिस्थिति पैदा न हो इसलिए मैंने थाने के पदाधिकारियों से कहा कि हमें पकड़ लो, जेल भेज दो, अगर केस गलत है तो तत्काल इन्वेस्टिगेशन करके इसे समाप्त करो। मुझे यह कहते हुए संतोष होता है कि एक वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारी स्पॉट पर थे, उन्होंने तहकीकात की, दो-तीन घंटे तक मैं थाने में बैठा रहा, वे आए और कहने लगे आपके खिलाफ कोई केस नहीं बनता है, हम केस समाप्त करते हैं।

मुख्य मुद्दा यह है कि लोकल सेल के बारे में मुझे पहली बार कुछ पता चला। मेरे छोटे भाई शत्रुघ्न सिन्हा जी ने काला पत्थर फिल्म में बहुत बढ़िया अदाकारी की थी। मैंने वह फिल्म देखी है। मैं कोयले की राजनीति नहीं करता हूं। मैं पहली बार इसमें इन्वाल्व हुआ तब मुझे बताया गया कि लोकल सेल में डम्प्स चलते हैं, इसमें भयंकर भ्रष्टाचार है। लोकल माफिया के लोग इसके इंचार्ज बन जाते हैं। मजदूरों के समूह को दंगल कहते हैं। एक दंगल में बीस मजदूर काम करते हैं लेकिन अधिकांश दंगल फर्जी होते हैं। दंगल के नाम पर कोयला उठता है और सारा कुछ माफिया के हाथ में जाता है। लाखों रुपए का लेन देन प्रति दिन होता है। जैसा कि मैंने कहा भयंकर भ्रष्टाचार है, इसमें कोल इंडिया, सीसीएल के पदाधिकारी भी सीधे तौर पर लिप्त हैं। मुझे पता चला है कि रोज शाम को जीएम कार्यालय में बैठकर बंटवारा होता है कि किसके हिस्से में कितना पैसा आया है। इसमें लोकल पुलिस भी शामिल है। मैं कहना चाहता हूं कि इसमें इतना भ्रष्टाचार है। इसके साथ और भी मुद्दे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि लोकल सेल और डम्प्स का जो मामला है, उसमें सीबीआई इंक्वायरी हो और जितने दोषी हैं, सबको दंडित किया जाए, सबके खिलाफ मुकदमा चलाया जाए, यह मांग मैं आपके माध्यम से करना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN :

Shri Ravindra Kumar Pandey,

Shri Rajendra Agrawal and

Shri P.L. Punia are allowed to associate with this issue.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): सभापति जी, इससे पहले कि आप अगले वक्ता को बुलायें, मैं एक ऑब्जर्वेशन करना चाहती हूं कि शून्य काल यानी जीरो ऑवर इस सदन का सबसे महत्वपूर्ण काल होता है। जिस समय अपने क्षेत्र के विषय, देश के विषय, उस दिन की हुई घटनाएं यहां उठाते हैं और अब तो प्रश्न काल स्थगन का नोटिस भी दो तो अध्यक्ष महोदया कहती हैं कि मैं शून्यकाल में उठाने दूंगी। आप एक बार जरा उस तरफ देखिये। शून्य काल में दूसरी बैंच पर एक मंत्री बैठे हैं, पूरी सत्ताधारी बैंचें खाली हैं...(व्यवधान) अगर पूरी की पूरी ट्रेजरी बैंचेज का...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Two other hon. Ministers are present.

...(*Interruptions*)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुदीप बंदोपाध्याय) : हम दोनों मौजूद हैं।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अगर ट्रेजरी बैंचेज का और सरकार का,...(व्यवधान) अगर सरकार शून्यकाल के प्रति इतनी उदासीन है, जीरो ऑवर के प्रति सरकार इतनी उदासीन है, यह सामने नजर आ रहा है। संसदीय कार्य मंत्री स्वयं नहीं हैं और कोई मंत्री उपस्थित नहीं हैं, पूरी बैंचेज पर केवल एक कैबिनेट मंत्री बैठे हैं...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Two other hon. Ministers are present.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : सत्ताधारी बैंचेज पर कुल पांच आदमी बैठे हैं...(व्यवधान) आप निर्देशित कीजिए। यह इनडिफरैन्स, यह उदासीनता सदन में जो लक्षित हो रही है, क्या करेंगे...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Okay, you have made your observation. Please take your seats.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह हालत क्या है?...(व्यवधान) हालत क्या है...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. Please allow the House to function.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : यहां मामले अध्यक्ष महोदया की अनुमति से उठाते हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Okay, you have made your observation. Shri Shailendra Kumar.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You may tell what you want to tell.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): मैं रूल ही की बात कर रहा हूं।...(व्यवधान) मैं अपोजीशन लीडर की बातों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। ...(व्यवधान) मैं उनकी बातों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri Shailendra Kumar, please address the Chair.

...(*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): मैं अभी तक यहां था, कोई माननीय सदस्य मुझसे बात करना चाहते थे, मैं इसलिए बाहर गया था।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं आपकी बात नहीं कर रही हूं...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : कई बार ऐसा हो जाता है ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप अपने पीछे देखिये...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : कई बार ऐसा हो जाता है...(व्यवधान) वरना पूरे मिनिस्टर्स यहां होते हैं। इसमें क्या बात है। सभी मंत्रियों को और काम भी करने होते हैं। कभी ऐसा हो जाता है, यह कोई आदत नहीं है। आप भी सरकार में रहे हैं। हर वक्त पूरा का पूरा मंत्रिमंडल यहीं बैठना पड़ेगा...(व्यवधान)

मानव संसाधन विकास मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री कपिल सिब्बल): सुषमा जी, आपने कहा कि एक भी व्यक्ति नहीं है और मैं यहां बैठा हुआ हूं। ऐसा लगता है कि मुझे आपने देखा नहीं ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैंने आपका नाम लेकर कहा, आप अकेले बैठे हैं, मैंने यह नहीं कहा, मैंने आपका नाम लेकर कहा...(व्यवधान) मैंने कहा कि आप अकेले बैठे हैं।

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति जी, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभारी हूं। ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप अपने पीछे की खाली बैंचेज को देखिये। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not have cross-talks.

...(*Interruptions*)